संस्कृतम्

अधिगम प्रतिफल *(Learning Outcomes)*	*उपयुक्त संसाधन*	*सप्ताहवार प्रस्तावित/गतिविधियाँ अध्यापकों के सहयोग से अभिभावकों द्वारा संचालित*
• संस्कृत भाषा के समान्य शब्दों के प्रयोग में समर्थ होते हैं। • पूर्व पठित शब्दों का स्मरणपूर्वक अवबोध कर उत्तर दे सकते हैं। • श्लोकादि पद्यों का उच्चारण उत्साहपूर्वक कर सकेंगे। • श्लोकादि पद्यों का योग्य उच्चारण कर सकेंगे। • सूक्तियों के तात्पर्य को समझकर व्यवहार में प्रयोग कर सकेंगे। • सुभाषितों के अध्ययन से महत्वपूर्ण बात सारगर्भित रूप में एक ही वाक्य में कह सकेगें । • प्रथमा विभक्ति का वाक्य में प्रयोग कर सकेंगे। • नाटकादि से प्राप्त शिक्षा एवं उसके महत्व को समझ सकेगें।	एनसीईआरटी द्वारा अथवा राज्यों द्वारा निर्मित पाठ्यपुस्तक, घर में उपलब्ध पठन लेखन सामग्री अन्य दृश्य-श्रव्य सामग्री जैसे इंटरनेट वेबसाइट, रेडिओ दूरदर्शन यूट्यूब (एनसीईआरटी ऑफिशियल) चैनल आदि के माध्यम से संस्कृत भाषा विषयक ज्ञान प्राप्त कर सकते हैं।	**पाँचवाँ सप्ताह** **पठन, लेखन एवं भाषण कौशल-** • पूर्वकक्षा में पठित विषय का अनुस्मरण कराते हुए पद, वाक्यांश एवं श्लोक लेखन एवं उच्चारण हेतु प्रेरित करें, यथा – तव नाम किम्? मम नाम प्रकाशः। तव नाम किम्? मम नाम ऋचा। त्वं कुत्र पठसि इत्यादि.. • उत्सवप्रियः भारतदेशः। अत्र विविधाः उत्सवाः भवन्ति। अस्माकं राष्ट्रस्य स्वतन्त्रतादिवसः गणतन्त्रदिवसश्च राष्ट्रियपर्वणी स्तः। • काकः कृष्णः पिकः कृष्णः को भेदः पिककाकयोः। वसन्तसमये प्राप्ते काकः काकः पिकः पिकः।। **छठा सप्ताह** (प्रथम सप्ताह की गतिविधियों को ध्यान में रखते हुए सप्तम कक्षा की पाठ्यपुस्तक का मङ्गल श्लोक सुभाषित आदि का अभ्यास कराएँ तथा प्रथमा विभक्ति का वाक्य प्रयोग करना सिखाएँ) **श्रवण, पठन एवं लेखनकौशल-** • पाठ्यपुस्तक में समागत मङ्गल श्लोक सुभाषित आदि छन्दोबद्ध पाठ का शुद्ध उच्चारणपूर्वक अभ्यास कराएँ। • श्लोकादि के शुद्ध लेखन हेतु प्रेरित करें, यथा – • यथा द्यौश्च पृथिवी न च न बिभीतो न रिष्यतः एवा मे प्राण मा बिभेः। • पृथिव्यां त्रीणि रत्नानि जलमन्नं सुभाषितम्। मूढैः पाषाणखण्डेषु रत्नसंज्ञा विधीयते।। **सातवाँ सप्ताह** (पूर्व सप्ताह की गतिविधियों के साथ व्यावहारिक एवं मनोरञ्जन हेतु हास्य बालक विसम्मेलनम् सदृश पाठों को पढ़ने हेतु प्रेरित करें तथा द्वितीया विभक्ति का वाक्य प्रयोग करना सिखाएँ।)

• गद्य अथवा पद्य के उच्चारण में समर्थ हो सकेंगे। • हास्य, नाट्य आदि काव्य का अर्थ समझ सकेंगे। • द्वितीया विभक्ति का वाक्य में प्रयोग कर सकेंगे।		**पठन, लेखन, श्रवण एवं भाषण कौशल** • पाठ्यपुस्तक में समागत हास्यकविसम्मेलन, नाटक जैसे मनोरञ्जन पाठों को पढ़ने एवं शुद्ध लेखन हेतु प्रेरित करें, यथा– • पाठ में आये हुए भावों को स्पष्ट करते हुए इनके महत्व की भी चर्चा अवश्य करें। • व्यंग्यभावों को सरलता से व्यक्त करने का प्रयास करें। यथा – वैद्यराज नमस्तुभ्यं यमराजसहोदर। यमस्तु हरते प्राणान् वैद्यः प्राणान् धनानि च।। इस प्रकार के काव्यों के हास्य व्यंग्य की प्रतीति हेतु अर्थ बोधन भी करें।
• गद्यांशो के उच्चारण में समर्थ हो सकेंगे। • कथा पढ़कर तत्सम्बन्धित प्रश्नों के उत्तर दे सकेंगें। • संस्कृत के कथानक वाक्य लिखने मे समर्थ बनेंगे। • पाठ सम्बन्धित शब्द याद होगें जिससे व्यावहारिक शब्दकोश की वृद्धि होगी। • तृतीया विभक्ति का वाक्य में प्रयोग कर सकेंगे।		**आठवाँ सप्ताह** (पूर्व सप्ताह की गतिविधियोंके साथ कथा/नाटक को लिखना पढ़ना एवं उसके निहितार्थ को बताएँ तथा तृतीया विभक्ति का वाक्य प्रयोग करना सिखाएँ।) **पठन, लेखन एवं भाषण, कौशल** • पाठ्यपुस्तक में समागत कहानी के पाठों को पढ़ने एवं शुद्ध लेखन हेतु प्रेरित करें। • कहानी के निहितार्थ को भी बोधित करें। • गद्यांशों में आए शब्दों के अर्थ भी छात्रों को बतायें, यथा– दुर्बुद्धिः विनश्यति, स्वावलम्बनम् इत्यादि। • अस्ति मगधदेशे फुल्लोत्पलनामा सरः। तत्र संकटविकटौ हंसौ निवसतः। कम्बुग्रीवनामकः तयोः मित्रम् एकः कूर्मः अपि तत्रैव प्रतिवसति स्म।... सरः = तालाब = Pond कूर्मः = कछुआ = Turtle प्रतिवसति स्म = रहता था = Was living • कृष्णमूर्तिः श्रीकण्ठश्च मित्रे आस्ताम्। श्रीकण्ठस्य पिता समृद्धः आसीत्। अतः तस्य भवने सर्वविधानि सुखसाधनानि आसन्। तस्मिन् विशाले भवने चत्वारिंशत् स्तम्भाः आसन्।... समृद्धः = सम्पन्न/धनी = Rich चत्वारिंशत् = चालीस = Forty
• पाठ से सम्बन्धित प्रश्नों के उत्तर दे सकेंगे। • सामाजिक गतिविधियों को समझकर उसके विषय मे लिख सकेंगे। • समानान्तर अन्य कथानक कह सकेंगे।		**नौवाँ सप्ताह** (पूर्व सप्ताह की गतिविधियों के साथ परस्पर वार्तालाप सम्बन्धित पाठ एवं किसी सामाजिक व्यक्तित्व की जीवनी को लिखना पढ़ना एवं उनके योगदान को बताएँ तथा चतुर्थी विभक्ति का वाक्य प्रयोग करना सिखाएँ।)

• पाठ में समागत शब्दों के अर्थ दूसरी भाषा में बता सकेंगे। • पढ़े हुए शब्दों का वाक्य में प्रयोग एवं लेखन कर सकेंगे। • चतुर्थी विभक्ति का वाक्य में प्रयोग कर सकेंगे।		**पठन, लेखन एवं भाषण कौशल –** • पाठ्यपुस्तक में समागत किसी सामाजिक व्यक्तित्व की जीवनी पढ़ने एवं शुद्ध लेखन हेतु प्रेरित करें। • अध्ययन से प्राप्त शिक्षा का उल्लेख करें।। • निहितार्थ बोधित करते हुए गद्यांशों में आए कठिन शब्दों के अर्थ भी बताएँ। यथा – पण्डिता रमा बाई आदि। • स्त्रीशिक्षाक्षेत्रे अग्रगण्या पण्डिता रमा बाई।858तमे ख्रिष्टाब्दे जन्म अलभत। तस्याः पिता अनन्तशास्त्री डोंगरे माता च लक्ष्मीबाई आस्ताम्। तस्मिन् काले स्त्रीशिक्षायाः स्थितिः चिन्तनीया आसीत्। कालक्रमेण रमायाः पिता विपन्नः सञ्जातः। तस्याः पितरौ ज्येष्ठा भगिनी च दुर्भिक्षपीडिताः दिवङ्गताः।... विपन्नः = निर्धन = Poor दुर्भिक्षपीडिताः = अकाल पीडित = Victims of famine
• समानान्तर अन्य कथानक कह सकेंगे। • पाठ में शब्दों के अर्थ दूसरी भाषा में बता सकेंगे। • पढ़े हुए शब्दों का वाक्य प्रयोग एवं लेखन कर सकेंगे।		**दसवाँ सप्ताह** (पूर्व सप्ताह की गतिविधियों के साथ प्रेरक कथा अथवा ऐतिहासिक व्यक्तित्व/स्थान/धरोहर (राष्ट्रीय स्मारक) आदि की कथा को लिखना पढ़ना एवं उसके निहितार्थ को बताएँ तथा पञ्चमी विभक्ति का वाक्य प्रयोग करना सिखाएँ।) पठन, लेखन, श्रवण एवं भाषण, कौशल- • पाठ्यपुस्तक में समागत कथा सम्बन्धित पाठों को पढ़ने एवं शुद्ध लेखन हेतु प्रेरित करें। • पाठ से प्राप्त ज्ञान को व्यवहार में लाने हेतु प्रेरित करें। • निहितार्थ बोधित करते हुए गद्यांशों में आए कठिन शब्दों के अर्थ भी बता। यथा-सङ्कल्पः सिद्धिदायकः, त्रिवर्णः ध्वजः, विश्वबन्धुत्वम् इत्यादि। • वत्से मनीषिता देवताः गृहे एव सन्ति। तपः कठिनं भवति। तव शरीरं सुकोमलं वर्तते। गृहे एव वस। तत्रैव तवाभिलाषः सफलः भविष्यति...। • अद्य स्वतन्त्रतादिवसः। अस्माकं विद्यालयस्य प्राचार्यः ध्वजारोहणं करिष्यति। छात्राश्च सांस्कृतिककार्यक्रमान् प्रस्तोष्यन्ति। अन्ते च मोदकानि मिलिष्यन्ति। मनीषिता = चाहा गया = Desired अभिलाषः =इच्छा= Desire त्रिवर्णःध्वजः = तिरंगा झण्डा =Tricolour flag

• पाठ से सम्बन्धित प्रश्नों के उत्तर दे सकेगें। • पाठ में आये शब्दों के अर्थ दूसरी भाषा में बता सकेगें। • पढ़े हुए शब्दों का वाक्य प्रयोग एवं लेखन कर सकेगें। • षष्ठी विभक्ति का वाक्यमें प्रयोग कर सकेगें।		**ग्यारहवाँ सप्ताह** (पूर्व सप्ताह की गतिविधियोंके साथ देश की विविधता युक्त भाषा/ समाज/ जिज्ञासा/ व्यवहार आदि में से किसी के विषय में लिखना पढ़ना सिखायें एवं उसके महत्व को बतायें तथा षष्ठी विभक्ति का वाक्यप्रयोग करना सिखायें।) **पठन, लेखन, श्रवण एवं भाषण, कौशल-** • पाठ्यपुस्तक में समागत कहानी के पाठों को पढ़ने एवं शुद्ध लेखन हेतु प्रेरित करें। • पठित पाठ से प्राप्त ज्ञान का संक्षेप में का लेखन करायें। • निहितार्थ बोधित करते हुये गद्यांशों में आये कठिन शब्दों के अर्थ भी बतायें। यथा-अमृतं संस्कृतम् इत्यादि। ✓ विश्वस्य उपलब्धासु भाषासु संस्कृतभाषा प्राचीनतमा भाषा अस्ति। भाषेयम् अनेकासाम् भाषाणां जननी मता। प्राचीनयोः ज्ञानविज्ञानयोः निधिः अस्यां सुरक्षितः। संस्कृतस्य महत्त्वविषये केनापि कथितम्- भारतस्य प्रतिष्ठे द्वे संस्कृतं संस्कृतिस्तथा। भाषेयम् = यह भाषा = This Language मता = मानी गई है = Is accepted निधिः = खजाना = Treasure
• पाठ में आये शब्दों के अर्थ दूसरी भाषा में बता सकेगें। • पठित पद्यों का शुद्ध उच्चारण कर सकेगें। • गीत या श्लोक का सस्वर गायन कर सकेगें। • सप्तमी विभक्ति का वाक्यमें प्रयोग कर सकेगें।		**बारहवाँ सप्ताह** (पूर्व सप्ताह की गतिविधियों के साथ किसी संस्कृत गीत/ पद्यकाव्य श्लोक को लिखना पढ़ना एवं उसके शुद्ध उच्चारण तथा सस्वर गायनविधि को बतायें तथा सप्तमी विभक्ति का वाक्य प्रयोग करना सिखायें।) **पठन, लेखन एवं श्रवणकौशल-** • पाठ में समागत संस्कृतगीत/ पद्यों को शुद्ध पढ़ने एवं लेखन हेतु प्रेरित करें। • पद्यगत भावों को स्पष्टरूप से बोधित करें। • पद्यांशों में आये कठिन शब्दों के अर्थ भी बतायें। यथा- विद्याधनम्, लालनगीतम् इत्यादि...। ✓ विद्या नाम नरस्य रूपमधिकं प्रच्छन्नगुप्तं धनम्, विद्या भोगकरी यशःसुखकरी विद्या गुरूणां गुरुः। विद्या बन्धुजने विदेशगमने विद्या परम् दैवतम्, विद्या राजसु पूज्यते न हि धनं विद्या विहीनः पशुः।। ✓ उदिते सूर्ये धरणी विहसति पक्षी कूजति कमलं विकसति।। नदति मन्दिरे उच्चैर्ढक्का सरितः सलिले सेलति नौका।। प्रच्छन्नगुप्तम् = अत्यन्त गुप्त = Hidden उदिते = उगने पर = On the rise नदति = ध्वनि करता है = Rings ढक्का = नगाड़ा = Drum सेलति = डगमगाती = Shakes